हॉर्टी इन्डिया 2017
कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
9-10 फरवरी 2017

पारंपरिक एवं वैकल्पिक
बागवानी उत्पादन प्रणालियाँ

- फसल प्रक्षेत्र
- प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ

आयोजक

इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नालॉजी

सह-आयोजक

कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग
कृषि एवं कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

सहयोगी

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

nsa National Seed Association of India

Skill India

Digital India

कार्यक्रम स्थल: हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी पार्क, जी-1, अल्फा-1, ग्रेटर नोएडा - 201308

www.hortiindia.com

पृष्ठ भूमि

भारत में बागवानी फसलों का उत्पादन 2013–2014 के दौरान पहली बार खाद्य फसलों के उत्पादन को भी पार कर गया तथा 2014–2015 के दौरान में 283.5 मीट्रिक टन के कुल उत्पादन के साथ ये बढ़ोत्तरी जारी है। कुल कृषि उत्पादन में उद्यानकी फसलों की सहभागिता 33 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बागवानी फसलें वर्तमान समय में सीमान्त तथा लघु कृषकों को रोजगार प्रदान करने का उत्तम साधन है। खाद्यान्न उत्पादन से जहॉ प्रतिवर्ष 143 श्रमदिवस कार्य सृजित होता है वहीं उद्यानकी उत्पादन की सहभागिता 860 श्रमदिवस प्रतिवर्ष प्रति हेक्टेयर हो गयी है, इससे बागवानी के महत्व की पुष्टि होती है ।

बागवानी का महत्त्व इसके द्वारा होने वाले लाभ से और बढ़ जाता है, जैसे – उच्च निर्यात मूल्य, उच्च प्रति इकाई क्षेत्र उपज, अधिक मुनाफा प्रति इकाई क्षेत्र, बंजर भूमि का सबसे अच्छा उपयोग, उद्योगों आदि के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आदि। इसके परिणाम स्वरूप बागवानी की महत्ता हर कोई समझ रहा है चाहे वो सीमान्त एवं बड़े कृषक हों, नीतिनियोजक या व्यवसायी जगत ।

यद्यपि बागवानी फसलों के उत्पादन क्षेत्र एवं उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तदापि कुछ कारक हैं जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है जैसे :

- कुछ फसलों में कम उत्पादकता और लाभ प्रदत्ता
- प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता की कमी
- अपर्याप्त कुशल मानव संसाधन
- जलवायु परिवर्तन और मौसम का अनिश्चित स्वरुप
- अनुचित सिंचाई और पोषकतत्व प्रबंधन
- तुडाई उपरान्त प्रबन्धन एवं विपणन (पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमैंट एवं मार्केटिंग)

युवाओं का कृषि व्यवसाय को छोड़ कर शहरों में नौकरी के लिए पलायन बढता जा रहा है, यह भी चिन्ता का एक प्रमुख विषय है ।

आयोजक:
इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नालॉजी

'हॉर्टी इन्डिया 2017' का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी द्वारा किया जा रहा है। संस्थान की स्थापना, अखिल भारतीय ग्रामीण संस्थान के सरक्षण में वर्ष 2009 में हुई थी, जो एन सी आर ग्रेटर नोएडा में स्थित है। यह संस्थान एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है जो कि बागवानी क्षेत्र में क्षमता निर्माण करने के लिए कृषि एवं किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पैनल में शामिल है।

पद्मश्री से सम्मानित एवं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध बागवानी विषेशज्ञ, डा. के एल चड्ढा, सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं। यह समिति संस्थान के क्रियाकलापों में सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करते है।

संस्थान की कल्पना एवं विश्वास है कि देश में बागवानी व्यवसाय की तेजी से बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई प्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण करना अनिवार्य हो गया है। संस्थान, राज्यों में जिला एवं ब्लाक स्तर पर, किसानों, विस्तार अधिकारियां, उद्यमियों, महिलाओं एवं ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के युवाओं के लिए "स्वयं किए जाने वाले प्रशिक्षण" के आधार पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है। इस प्रशिक्षण में बागवानी उद्योग की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें बागवानी फसलों जैसे सब्जियों, फूलों, फलों और बीजों के आयात, निर्यात और वितरण का विशेष ध्यान रखा जाता है।

इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर टेक्नालॉजी अपने स्थापना वर्ष सन 2009 के बाद से विभिन्न अवधियों में उच्च तकनीक उद्यानिकी विषयों पर लगातार प्रशिक्षण का आयोजन करता आ रहा है। इन प्रशिक्षणों में देश के विभिन्न राज्यों से आये प्रशिक्षणार्थियों के रुप में सरकारी अधिकारियों तथा कृषकों ने उपस्थिति दर्ज की है। भारत के विभिन्न राज्यों से आये उद्यमियों के हजारों प्रशिक्षण आयोजित किये गये हैं, जिसमें असम, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झाररखण्ड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, उड़ीसा, सिक्किम, उत्तराखण्ड एवं संघद्वीप समूह अण्डमान निकाबोर के साथ–साथ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में मुख्य रुप से बहरीन, बांग्लादेश तथा अफगानिस्तान प्रमुख है।

संस्थान उक्त कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन समय–समय पर करता है। जिसमें वी.आई.पी. गणमान्य अतिथियों के रुप में राज्यों, संघ अथवा राज्य मंत्रियों तथा भारत सरकार के सचिवों, महासचिवों के माध्यम से उद्घाटन और नीति निर्माताओं, उद्यमियों, अलग–अलग राज्यों के कॉर्पोरेट क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों तथा कृषकों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम को भारतीय प्रिन्ट तथा इलैक्ट्रोनिक प्रसार माध्यमों जैसे टी.वी. तथा रेडियो चैनलों एवं राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ जिसमें दूरदर्शन द्वारा प्रसारित 'कृषि दर्शन' जैसे कार्यक्रम प्रमुख है।

संस्थान अध्यक्ष, विश्व खाद्य सम्मान 2016 के विजेता
हार्वेस्ट प्लस, कोलंबिया से डा वुल्फगैंग फीफर को सम्मानित करते हुए

आई.बी.एन.–7 चैनल के सम्पादक श्री सुमित अवस्थी
प्रगतिशील कृषक को प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए।

उद्देश्य

'हॉर्टी इन्डिया 2017' का मुख्य उद्देश्य बागवानी के क्षेत्र में उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों को अभिनव उत्पादन प्रौद्योगिकियों से परिचित करवाना, नवीनतम प्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण प्रदान करना एवं इस क्षमता निर्माण से होने वाले लाभ से अवगत करवाना है । कार्यक्रम में निम्नलिखित बिंदुओं को प्रमुख रूप से महत्त्व दिया जाएगा:

प्रौद्योगिकी

- उच्च गुणवत्ता वाली रोग मुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन।
- संरक्षित कृषि के माध्यम से उच्च मूल्य वाली सब्जियों तथा फूलों की खेती।
- प्रिसीजन फार्मिंग (टिकाऊ खेती) के लिये सूक्ष्म सिंचाई तथा उर्वरीकरण प्रणाली।
- जल संबंधित कृषि के माध्यम से हाइड्रोपॉनिक्स (मृदा रहित कृषि प्रणाली) की स्थापना।

अन्तः सस्यन

- बागवानी के अर्न्तगत प्लास्टिक का प्रयोग
- फल वर्गीय फसलों में वृक्ष छत्र प्रबंन्धन
- पुष्प व्यवस्थापन
- एकीकृत कीट प्रबन्धन

उभरते क्षेत्र

- जैविक कृषि
- शहरी तथा कस्बों मे बागवानी
- नैनो प्रौद्योगिकी

उद्यमिता को प्रोत्साहित करना – बागवानी में कौशल विकास

'हॉर्टी इण्डिया 2017' के दौरान कृषि एवं कृषक कल्याण, ग्रामीण विकास, खाद्य्य प्रसंस्करण तथा गैर परम्परागत अक्षय ऊर्जा मंत्रालय एवं अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह कार्यक्रम बागवानी फसलों के उत्पादन और प्रबन्धन से सबंधित विभिन्न हित ग्राहियों - उत्पादकों, थोक व्यापारियों, खुदरा प्रबन्धकों, उद्यमियों, कॉर्पोरेट, नीतिनिर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा।

तकनीकि सत्र

वैज्ञानिक / विशेषज्ञों के द्वारा समस्त हितधारको के लिए एक विशेष संवादात्मक सत्र (इंटरैक्टिव सत्र) का आयोजन तकनीकि कार्यक्रम का प्रमूख आर्कषण होगा। इसमें उच्च तकनीक उत्पादन प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों पर विचार विमर्श होगा एवं उत्पादको को उनकी फसलों की उत्पादकता और लागत उपयोग दक्षता मे बढोत्तरी करने का ज्ञान मिलेगा। इस विशेष तकनीकी सत्र के माध्यम से भविष्य मे कृषकों की सहायता हेतु मार्ग दर्शन प्राप्त होगा। यह सत्र ज्ञानवृद्धि के लिए तो उपयोगी है ही साथ ही अपने प्रश्नों का समाधान तुरंत ही प्राप्त करना इस सत्र का एक विशेष अनुभव होगा।

	व्याख्यान	प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण
प्रौद्योगिकी		
संरक्षित खेती	संरक्षित संरचनाएं – उनके प्रबंधन और आन्तरिक वातावरण नियंत्रण	पालीहाउस में ककड़ी, शिमला मिर्च और टमाटर की फसलों का प्रदर्शन और ग्रीनहाउस घटक संग्रहालय का भ्रमण
उरवर्रीकरण प्रणली (फर्टिगेशन सिस्टम)	बागवानी में फर्टिगेशन प्रौद्योगिकी की भूमिका	फर्टिगेशन प्रणालियों के संचालन
हाइड्रोपॉनिक्स (मृदारहित) के माध्यम से फसल उत्पादन	हाइड्रोपॉनिक्स प्रौद्योगिकी महत्व और आवश्यकता	हाइड्रोपॉनिक्स इकाई का प्रदर्शन – पोषक तत्व फिल्म तकनीक का उपयोग करते हुए
रोपण सामग्री का उत्पादन	रोग मुक्त, उच्च गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन	नर्सरी उत्पादन, सब्जियों की ग्राफ्टिंग और सूक्ष्मप्रजनन का प्रदर्शन
अन्तः सस्यन		
पुष्प व्यवस्थापन	विभिन्न अवसरों और प्रायोजनों के लिए पुष्प व्यवस्था	अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा पुष्प व्यवस्था का प्रदर्शन
वृक्ष छत्र प्रबंधन	बागवानी फसलों के उत्पादन में वृक्ष छत्र प्रबंधन का महत्व	अमरूद और सहजन वृक्षारोपण में वृक्ष छत्र प्रबंधन का प्रदर्शन
प्लास्टिक के उपयोग	वाणिज्यिक बागवानी में प्लास्टिक की भूमिका	सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, मल्च और नीची / वॉक इन टनल का प्रदर्शन
एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम)	खुली और संरक्षित खेती में आईपीएम का महत्व	विभिन्न योगों, स्प्रे उपकरण, निगरानी और कीट प्रबंधन की जानकारी एवं प्रदर्शन
उभरते क्षेत्र		
जैविक खेती	जैविक फसल उत्पादन एवं लागत प्रबंधन	खाद की आवश्यकताओं और प्रक्रिया का प्रदर्शन
शहरी और कस्बो में बागवानी	शहरी और कस्बो में बागवानी का महत्व एवं विषय क्षेत्र	अभिनव शहरी बागवानी प्रणालियों का प्रदर्शन
नैनो प्रौद्योगिकी	फसल उत्पादन में नैनो प्रौद्योगिकी की भूमिका एवं महत्व	

कार्यक्रम

कार्यक्रम	समय
पहला दिन (9 फरवरी, 2017)	
पंजीकरण एवं स्वागत टी	09:00 पुर्वाह्न से 10:00 पुर्वाह्न तक
उद्घाटन समारोह	10:00 पुर्वाह्न से 11:00 पुर्वाह्न तक
संवादात्मक (इंटरएक्टिव व्याख्यान)	11:30 पुर्वाह्न से 01:30 अपराह्न तक
समय अन्तंराल	01:30 अपराह्न से 02:30 अपराह्न तक
कार्यशाला में प्रशिक्षण	02:30 अपराह्न से 05:30 अपराह्न तक
दूसरा दिन (10 फरवरी, 2017)	
संवादात्मक (इंटरएक्टिव व्याख्यान)	10:00 पुर्वाह्न से 12:00 अपराह्न तक
कार्यशाला में प्रशिक्षण	12:00 अपराह्न से 01:30 अपराह्न तक
समय अन्तराल	01:30 अपराह्न से 02:30 अपराह्न तक
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण	02:30 अपराह्न से 04:00 अपराह्न तक

स्मारिका

कार्यशाला-सह-प्रदर्शनी के अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जायेगा। इसमें विभिन्न बागवानी सम्बंधित लेख, गणमान्य व्यक्तियों के संदेश, प्रायोजकों और अन्य बागवानी क्षेत्र के विकास में शामिल कंपनियों के विज्ञापन सम्मिलित होंगे।

पंजीकरण

सभी इच्छुक व्यक्ति, समूह, संस्थान, अधिकारी और कम्पनियां का कार्यक्रमानुसार समारोह में भाग लेने के लिए स्वागत है। प्रतिभागियों के लिये पंजीकरण अनिवार्य है, पंजीकरण पूर्णत: नि: शुल्क है। पंजीकरण के लिए हमारी वेबसाइट www.hortiindia.com देखें।

आवास व्यवस्था

निवास के लिये ग्रेटर नोएडा के आसपास गेस्ट हाउस उपलब्ध है। आवास व्यवस्था में सहायता करने के लिए आवश्यकतानुसार हमारी यात्रा डेस्क से सम्पर्क करने की सलाह सभी प्रतिभागियों को दी जाती है।

ई–मेल : coordinator@iht.edu.in
मोबाइल: 8860621160, 8860082566

प्रदर्शनी

'हॉर्टी इण्डिया 2017' में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, इस प्रदर्शनी में भाग लेने वालों को कृषि एवं बागवानी में प्रयोग होने वाले उर्वरकों को तैयार करना, कृषि रसायन, उपकरणों, एवं खेती में प्रयोग होने वाली मशीनों, ग्रीनहाउस के विभिन्न घटकों, हाइड्रोपोनिक्स (मृदा रहित), मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई एवं उर्वरीकरण प्रणाली की जानकारी के नए अवसर प्राप्त होगें।

ये सुविधायें सरकारी एवं गैर सरकारी सस्थायें प्राप्त कर सकती हैं। जो भी संस्थायें अपनी उपलब्धियों के प्रदर्शन के लिए इसमें भाग लेना चाहती है वो जल्द से जल्द बुकिंग करायें। इस लाभ को प्राप्त करने के लिए सस्थायें स्टाल के लिए अग्रिम रूप से सम्पर्क करें।

प्रदर्शकों के लिए सुविधायें:

- अच्छी तरह से कालीन फर्श के साथ सुसज्जित क्षेत्र की सुविधा।
- निरन्तर बिजली एवं पानी की सप्लाई की सुविधा।
- इंटरनेट की सुविधा।
- गाड़ी पार्किंग की सुविधा।
- बातचीत करने के लिए लाउॅज की व्यवस्था।
- भोजन प्रांगण की सुविधा।

प्रदर्शकों के लिए लाभः

- उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन।
- किसानों एवं विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का मौका।
- बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए ब्रांड प्रमोशन।
- व्यवसायिक सम्बन्ध बढाने का मौका।

अधिक जानकारी / विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट - 2 देखें

प्रदर्शक प्रोफाइल

प्रदर्शनी में निम्न उत्पादों या सेवाओं से संबंधित सभी कंपनियां और संगठन सम्मिलित हो सकते है :–

- नर्सरी, बीज कम्पनियॉ, सूक्ष्मप्रजनन इकाइयाँ
- ग्रीनहाउस कम्पनियाँ
- हाइड्रोपॉनिक्स (मृदा रहित) प्रणाली
- उरवर्रीकरण प्रणाली (फर्टिगेशन सिस्टम)
- उर्वरक – नए उत्पाद
- प्लास्टिक कम्पनियाँ
- जैविक खेती के अपादान
- कृषि रसायन एवं पौध संरक्षण उपकरण
- उपकरण एवं यन्त्र
- तुड़ाई उपरान्त प्रबन्धन की मूलभूत संरचनाएँ
- संस्थान / विश्वविद्यालय
- केन्द्रीय एवं राज्य विकास संगठन
- अन्य बागवानी फसलें / उत्पाद

आगन्तुक प्रोफाइल

- प्रगतिशील किसान
- छात्र एवं शोध छात्र
- राज्य कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थान
- सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारीगण
- नर्सरी कार्य से जुडे लोग / बीज उत्पादक
- ग्रीनहाउस मालिक
- पुष्प व्यवस्थापन में सम्मलित संगठन जैसे कार्यक्रम प्रबंधन / विवाह योजनाकार एवं होटल उद्योग

यह कार्यक्रम इनके लिये भी लाभदायक होगा:

- नगर नियोजक एवं निवेशक
- नगरपालिका पदाधिकारी
- प्रोद्योगिकी प्रदाता / ग्राही
- उपकरण एवं औजार कम्पनी
- भावी उद्यमी
- विभिन्न कृषि आदानो के थोक एवं खुदरा विक्रेता

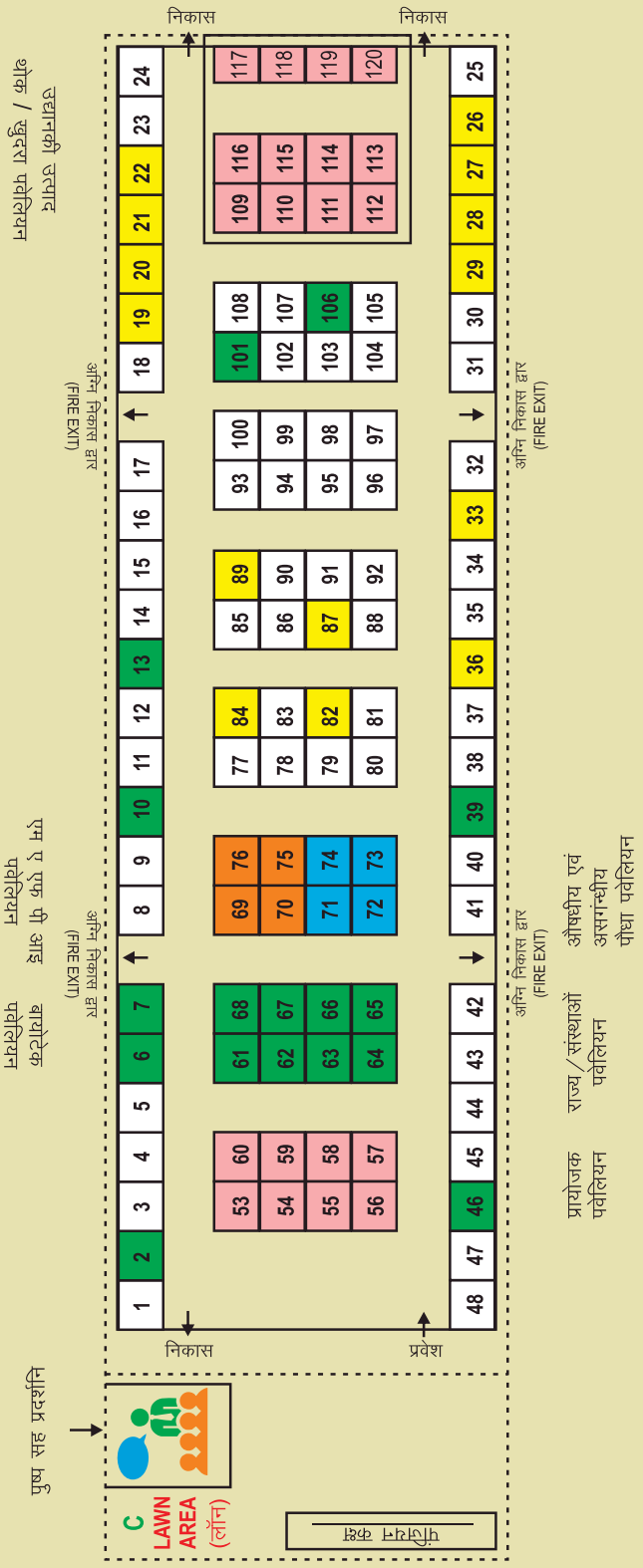

भूमितल योजना

- प्रायोजक पवेलियन
- बुक
- उपलब्ध
- अवरूद्ध (Blocked)

प्रायोजन

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रायोजकों के समर्थन का स्वागत है। प्रायोजकों का समर्थन कार्यक्रम को सफलता प्रदान करेगा। प्रायोजन के विभिन्न स्तरों की सूची नीचे उपलब्ध हैं। इन विकल्पो मे से आप प्रायोजन के विभिन्न स्तरो को चुन सकते हैं।

राज्य/संस्थाओं के प्रायोजकों

- प्रिंसिपल पार्टनर
- पार्टनर
- एसोसिएट पार्टनर

अन्तर्राष्ट्रीय प्रायोजक

- प्रिंसिपल पार्टनर कन्ट्री
- पार्टनर कन्ट्री
- एसोसिएट कन्ट्री

कार्पोरेट प्रायोजक

- प्लेटीनम
- डायमन्ड
- गोल्ड

विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट – 1 देखें।

पहुँचने के लिए मार्ग

आयोजन स्थल, ग्रेटर नोएडा में परी चौक से 2 किमी की दूरी पर स्थित है। आप नीचे दिए गए नक्शे के अनुसार दिल्ली से ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के माध्यम से परी चौक तक पहुँच सकते हैं।

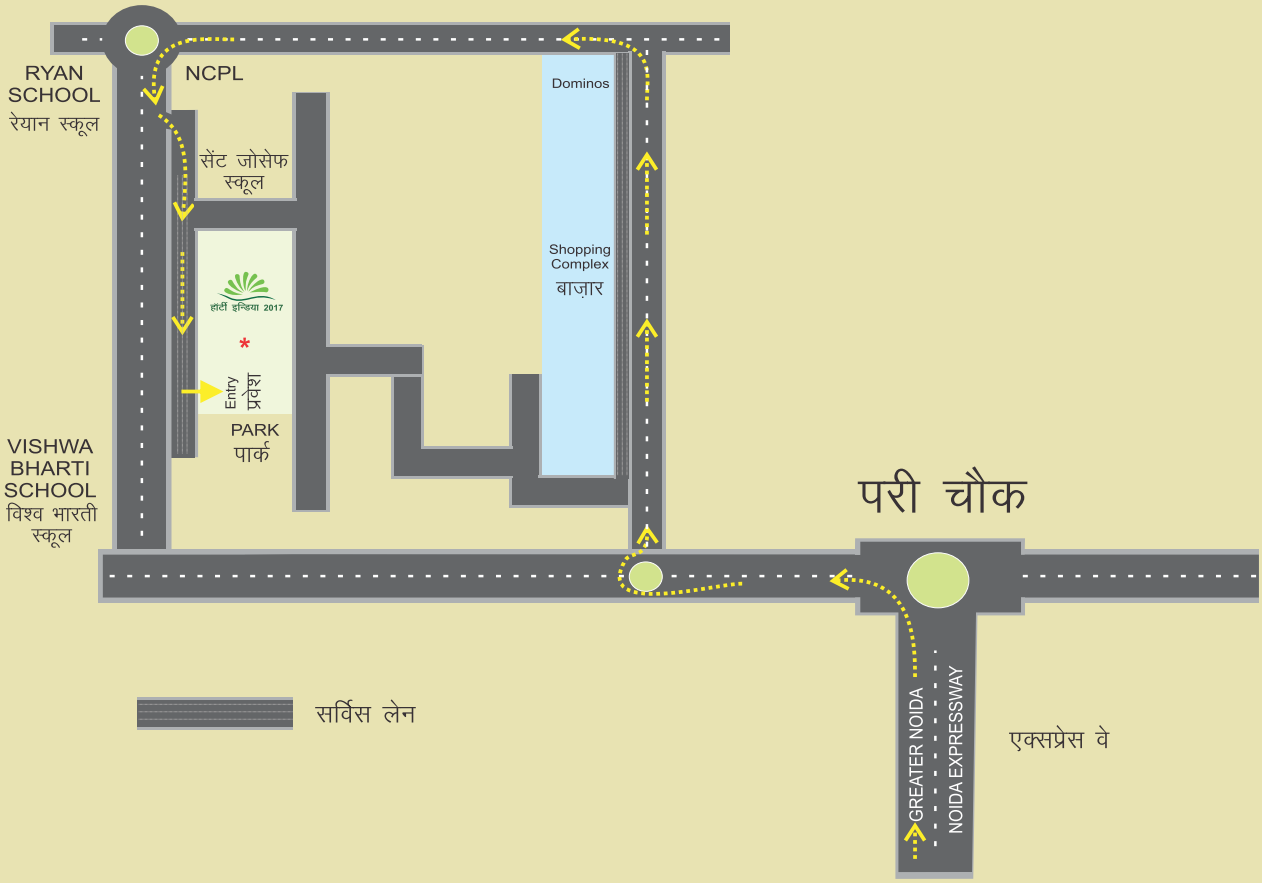

*कार्यक्रम स्थल: हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी पार्क, जी-1, अल्फा-1, ग्रेटर नोएडा - 201308, उत्तर प्रदेश

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखे www.hortiindia.com

आर्किड उत्पादन

हाइड्रोपॉनिक्स (मृदा रहित)

टमाटर की संरक्षित खेती

सूक्ष्मप्रजनन (माइक्रोप्रोपेगेशन)

रोपन / मल्चिंग में प्रशिक्षण

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती

आई एच टी के प्रशिक्षण कार्यक्रम मे समापन भाषण

आर्किड प्रोडक्शन हाउस में डच प्रतिनिधि

आयोजक

इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नालॉजी

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

ISO 9001 : 2008

सह-आयोजक

कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

कृषि एवं कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

पता: डी–1, कृष्णा अपरा बिल्डिंग, तृतीय तल, एल्फा–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश

+91-120-6450597, 2326713 8860621160, 8860082566 hortiindia@iht.edu.in, enquiry@iht.edu.in www.iht.edu.in, www.hortiindia.com